मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2021-23 /R.N.I. No. 2022007062

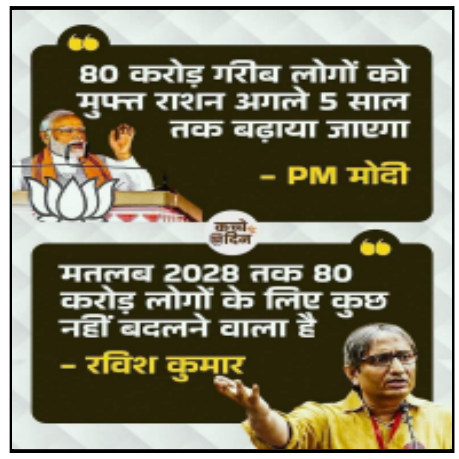

मंत्री जी, मेलों से नहीं रोजगार से बढ़ेगा हैप्पीनेस इंडेक्स 2
प्रॉपर्टी आईडी के नाम पर दोबारा घोटाले की तैयारी 4
हम एक्सलरेटर पर पैर रख कर जलवायु नरक के राजमार्ग पर हैं 5
इलैक्टोरल बॉन्ड्स का गोरखधंधा 6
ईएसआईसी मुख्यालय पर प्रदर्शन, प्रमुख मांग : डीन की बर्खास्तगी 8

वर्ष 37 | अंक -52 | फरीदाबाद 12-18 नवम्बर 2023 | फोन-8851091460 | 5.00 ₹

खट्टर की नाक तले स्थानीय शहरी निकाय मुख्यालय में हो रही लूट कमाई

अवर सचिव सूबे सिंह ने पूर्व अधीक्षण अभियंता रवि शर्मा को नियम विरुद्ध दिलाए लाखों के फायदे

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस का ढिंढोरा पीट कर जनता को गुमराह कर रहे हैं और नगर निगम के अधिकारियों से लेकर स्थानीय शहरी निकाय विभाग के अवर सचिव तक काली कमाई करने में लगे हैं। स्थानीय निकाय के अवर सचिव सूबे सिंह ने फरीदाबाद नगर निगम में अधीक्षण अभियंता पद से रिटायर हुए रवि कुमार शर्मा को अच्छी दावत, महंगी शराब और चंद लाख रुपये सुविधा शुल्क के बदले नियम विरुद्ध एश्योर्ड कॅरियर प्रोग्रेशन (एसीपी) के तीन लाभ दे दिए। सूबे सिंह की सेवा टहल का फायदा ये हुआ कि रवि शर्मा को एसीपी एरियर के भुगतान के रूप में 22 लाख रुपये मिले और पेंशन भी इसी अनुपात में काफी अधिक हो गई।

हरियाणा सरकार के हरियाणा सिविल सेवा नियम 2008 के अनुसार सरकारी कर्मचारी को नौकरी रेगुलर होने के पांचवें, ग्यारहवें और सत्रहवें वर्ष पर एश्योर्ड कॅरियर प्रोग्रेशन (आश्वासित कॅरियर प्रगति, एसीपी) के तहत वेतन, भत्तों में बढ़ोत्तरी का फायदा मिलता है। शर्त ये है कि कर्मचारी का यह कार्यकाल संतोषजनक होना चाहिए।

वित्त विभाग ने 19 अगस्त 2009 को इंजीनियरिंग कैडर के अधिकारियों के लिए एश्योर्ड कॅरियर प्रोग्रेशन (एसीपी) का नया वेतनमान जारी किया था। एसीपी का यह नया वेतनमान 1 सितंबर 2009 से लागू हुआ, यानी नए वेतनमान का लाभ एक सितंबर 2009 के बाद से ही मिलना था न कि उससे पहले।

नगर निगम में कार्यरत रवि शर्मा को सहायक अभियंता के रूप में पहली प्रोन्नति 23 नवंबर 2005 को मिली। हालांकि नगर निगम में उनकी डीम्ड प्रमोशन 25 फरवरी 2000 में हुई थी। डीम्ड प्रमोशन में कर्मचारी को न तो बढ़ा हुआ वेतनभत्ता मिलता है और न ही उसे कोई अन्य कोई सुविधाएं पाने की योग्यता हासिल होती है।

सूबे सिंह ने रवि शर्मा को पहला एसीपी वेतनमान 2005 के आधार पर पांच वर्ष मानते हुए जारी कर दिया। नियमानुसार

शेष पेज दो पर

जेल जा चुका है भ्रष्टाचारी रवि शर्मा

रवि शर्मा ने सिर्फ सूबे सिंह को चढ़ावा चढ़ा कर सरकारी खजाने से 22 लाख नकद ही नहीं झटके, सेवानिवृत्त होते ही मंत्री मूलचंद शर्मा की सिफारिश से चार दिन बाद ही नगर निगम में री-अपाइंटमेंट भी पा ली। सेवानिवृत्त होने के कारण जवाबदेही तो रही नहीं इसलिए रवि शर्मा ठेकेदारों से बिल पास कराने के नाम पर बेखौफ होकर रिश्वत मांगने लगा। सामुदायिक भवन निर्माण का भुगतान करने में रवि शर्मा ने ठेकेदार यश मोहन से पचास हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। यश मोहन की शिकायत पर स्टेट विजिलेंस टीम ने रवि शर्मा को ठेकेदार से रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। रवि शर्मा कई महीनों तक जेल में रहा था अपने राजनीतिक आक़ाओं की पैरवी के कारण जेल से बाहर आ सका था। समझने वाली बात यह है कि रवि शर्मा राजनीतिक संरक्षण मुफ्त में तो नहीं ही पा रहा था जाहिर है इसके लिए वह अपने आकाओं को उचित हिस्सा पत्ती भी अवश्य दे रहा होगा।

अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज : गोला की छुट्टी, वशिष्ठ बने डायरेक्टर

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) बीते करीब तीन साल से छायंसा स्थित अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज का सत्यानाश कराने के बाद हरियाणा सरकार को यह समझ में आ गया कि डॉ. गौतम गोला महा निकृष्ट होने के चलते इस संस्थान के सत्यानाश की जड़ है। चलो शुक्र है कि खट्टर को यह बात, भले ही देर से, समझ तो आई। इस मेडिकल कॉलेज को गोले के चंगुल से मुक्त करा कर डॉ. बृजमोहन वशिष्ठ को यहां का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है।

वास्तव में डॉ. गोला नूह स्थित मेवात मेडिकल कॉलेज मे सर्जरी के प्रोफेसर थे। सर्जरी-वर्जरी तो उन्हें कुछ आती नहीं थी इसके बावजूद जुगाड़बाजी करके अपनी प्रोफेसरी के साथ-साथ इस संस्थान के डायरेक्टर का पद भी अतिरिक्त रूप से हथिया लिया था। इसके चलते वे प्रति दिन मेवात मेडिकल कॉलेज में तथाकथित प्रोफेसरी करने के बाद यहां पर डायरेक्टरी का नाटक खेलने करीब 11-12 बजे आ जाते थे और शाम के चार बजे यहां से फूट लेते थे। जाहिर है ऐसे में क्या तो मेडिकल कॉलेज चलना था और क्या अस्पताल।

डॉ. बीएम वशिष्ठ, नये डायरेक्टर

इस निकृष्ट व्यक्ति को पहचानने में खट्टर सरकार ने जो इतना लम्बा समय बर्बाद कर दिया उसका जिम्मेदार कौन होगा?

डॉक्टरी पढ़ने आये छात्रों की पढ़ाई और इलाज से वंचित रहे क्षेत्र के लोगों की भरपाई खट्टर जी कैसे कर पाएंगे? सुधी पाठक भूले नहीं होंगे जब 2021 में उन्होंने इस मेडिकल कॉलेज अस्पताल को दो दिन में चला देने की घोषणा की थी। जनता का भरोसा जीतने के लिये यहां पर हवन आदि करके फौजी मेडिकल स्टाफ़ को भी तैनात कर दिया था।

नवनियुक्त डायरेक्टर रोहतक मेडिकल कॉलेज में बतौर प्रोफेसर कम्युनिटी मेडिसन थे। वहां से चयनित होकर यहां पहुंचे हैं। अब देखना है कि वे इस संस्थान के लिये कैसे और क्या कुछ कर पायेंगे?